Adda247 GET IT ON Google Play

उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड

23, एलनगंज, प्रयागराज–211002

पाठ्यक्रम–प्रवक्ता

तर्क शास्त्र (26)

1. तर्क शास्त्र की प्रकृति तथा कार्यक्षेत्र। आगमन तथा निगमनात्मक तर्क शास्त्र। निष्कर्ष के नियम तथा समानता के सिद्धान्त।
2. कलैसिकल तथा प्रतीकारात्मक तर्क। भाषा एवं प्रतीको का प्रयोग। सरल तथा जटिल वक्तव्य। प्रतिबन्धित वक्तब्य। बहस के प्रकार तथा सत्य। वक्तब्य के रूप, पुनरूवितयाँ, अन्तर्विरोध तथा आकस्मिकताएँ।
3. प्रस्ताविक तर्क। एकात्मक तथा सामान्य प्रस्तावना, प्रस्ताविक–परिकल्पना। प्रस्ताविक, परिवर्ती तथा मौलिक संयोजक, सच–वृत्ति, स्ट्रोक तथा खंजर वृत्तियाँ।
4. विचार के सिद्धान्त, बहस तथा वक्तब्यों की सार्थकता की परख करने की सत्य–तालिका प्रणालीः औपचारिक प्रमाण तथा सार्थकताः बहस की अमान्यता की प्रमाणिकता।
5. निरपेक्ष, विभाजक तथा परिकल्पित न्यायवाक्य (निगमनिकता) आकृति तथा मनोदशा : वेन आरेख निममनिकता तथा श्रेणी की बुलियन गणित।
6. परिभाषन सिद्धान्त। विधेय तथा परिमाणवाचक सूत्र। सीमित तथा मुक्त परिवर्तियाँ, सार्वभौमिक परिमाणिकताओं से सम्बन्धित निष्कर्ष। सीमित निष्कर्ष तथा अस्तित्वात्मक परिमाणिकताएँ।
7. संबंधो का तर्क, सम्बन्धों की प्रकृति, लक्षण तथा विशेषताएँ। देशों की पहचान तथा निश्चित व्याख्याएँ। रसेल का व्याख्यात्मकता का सिद्धान्त, तार्किक विरोधभांस तथा तार्किक भिन्नता का सिद्धान्त।